सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 8 ● अंकः 287 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, सोमवार, 28 नवम्बर, 2022

मूल्य ₹ 3/-

चाहे जिन्दगी जितनी भी कठिन लगे, आप हमेशा कुछ न कुछ कर सकते हैं और सफल हो सकते हैं।

-स्टीफन हॉकिंग

उज्जैन की ओर बढ़ा राहुल गांधी... 8 | उपचुनाव से दूर, 24 की तैयारी... 3 | संसद के शीत सत्र में बदला दिखेगा... 7

4PM ने लॉन्च किया गुजरात चैनल

» 4PM का चौथा चैनल लॉन्च होने पर कई देशों के लोगों ने दी बधाई

» चैनल लॉन्च होते ही हजारों लोगों ने किया सबस्क्राइब

4PM गुजरात

» साढ़े सोलह करोड़ व्यूज और पौने छह लाख सबस्क्राइबर के साथ 4PM की ख्याति लगातार बढ़ रही है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। 4PM न्यूज चैनल ने एक और मुकाम हासिल कर लिया है। चैनल ने गुजरात का अपना एडिशन शुरू कर दिया है। 4PM गुजरात के लॉन्च होते ही हजारों लोगों ने उसे सबस्क्राइब भी कर लिया है। इस तरह यूट्यूब की दुनिया में 4PM ने एक अलग पहचान हासिल कर ली है। 4PM का यह चौथा चैनल है। कुछ सालों पहले ही शुरू हुए 4pm news network यूट्यूब चैनल ने दुनिया भर में अपनी खास पहचान बनाई है। दुनिया के 135 से अधिक देशों में चैनल देखा जाता है। लगभग साढ़े सोलह करोड़ व्यूअर्स और पौने छह लाख सबस्क्राइबर के साथ चैनल की अपनी एक अलग पहचान है। 4PM पर रोज शाम को 6 बजे संपादक संजय शर्मा की डिबेट और रात के 8 बजे दिल्ली से लुटियंस अड्डा पर अभिषेक कुमार की डिबेट को लाखों लोग देखते हैं। देश के जानेमाने पत्रकार इस चैनल पर आयोजित परिचर्चा में भाग लेते है। 4PM ने यूपी का चैनल 4PM यूपी और बिहार का चैनल 4PM बिहार भी लॉन्च किया है। इसके बाद अगली कड़ी में 4PM गुजरात लॉन्च कर दिया। 4PM जल्द ही कुछ और राज्यों में भी विस्तार करने जा रहा है।

मोदी के काफिलें में 'केजरीवाल जिंदाबाद' के नारे ने गरमाई गुजरात की राजनीति

» गुजरात चुनाव को लेकर भाजपा है बहुत परेशान

» आम आदमी पार्टी ने फंसा दिया पेंच

» सूरत में छह सीटों पर आप और भाजपा का कड़ा मुकाबला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 27 सालों बाद पहली बार गुजरात का चुनाव फंसता नजर आ रहा है। आम आदमी पार्टी ने जो पेंच फंसाया है उसमें गुजरात की राजनीति में खलबली मच गई है। भाजपा की कमान खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह को संभालनी पड़ रही है। सबसे ज्यादा नाजुक हालात उसी सूरत में है जिसके दम पर भाजपा ने पिछली बार सरकार बनाई थी।

यह बात सर्वमान सत्य है कि जब-जब मुकाबला त्रिकोणीय हुआ है तब-तब भाजपा के लिए परेशानी पैदा हुई है। 1990 के त्रिकोणीय मुकाबले में कांग्रेस को सबसे ज्यादा 31 प्रतिशत वोट मिले थे और सबसे कम 33 सीटें मिली थी। भाजपा को 26 प्रतिशत वोट और 67 सीटें मिली थी। मगर आश्चर्यजनक रूप से जनता दल को सबसे कम वोट 25.5 मिले, मगर सबसे ज्यादा 70 सीटें मिल गयी थी। भाजपा की परेशानी का कारण यही है कि इस बार गुजरात में त्रिकोणीय मुकाबला होता नजर आ रहा है और भाजपा 1990 के इस समीकरण को याद कर के परेशान है।

दरअसल, शुरूआती दौर में भाजपा खुश थी। उसे लगता था कि आम आदमी पार्टी ग्रामीण इलाकों में कांग्रेस के वोट काटेगी। मगर जब शहरी इलाके में आम आदमी पार्टी ने अपने पैर पसारने शुरू किये तो भाजपा को पसीना आ गया। क्योंकि भाजपा का शहरी वोट बैंक मुफ्त बिजली और पानी के साथ-साथ स्कूल जैसे मुद्दों पर आम आदमी पार्टी के साथ खड़ा होता नजर आने लगा है। आज सूरत में जिस तरह मोदी के काफिले के बीच केजरीवाल जिंदाबाद के नारे लगे उसने भाजपा की चिंता और बढ़ा दी है। सूरत जैसे शहर में मोदी के सामने केजरीवाल जिंदाबाद के नारे लग सकते है, यह बात सपने में भी नहीं सोची जा सकती थी।

नाराजगी दूर करने के लिए सूरत में प्रधानमंत्री खुद मिल रहें हैं समूह में लोगों से

पहले चरण में ही साफ हो जाएगी गुजरात की तस्वीर

गुजरात में 1 दिसम्बर को पहले चरण का और 5 दिसम्बर को दूसरे चरण का मतदान है। पहले चरण में सूरत आता है जो गुजरात की तस्वीर साफ करने को पर्याप्त है। पिछली बार यहां 16 में से 15 सीटें भाजपा ने जीतीं थी और इसी कारण भाजपा की सरकार बन पाई थी। मगर इस बार यहां खुद जिस तरह से प्रधानमंत्री और तमाम मंत्रियों को जूझना पड़ रहा है, उससे गुजरात से लेकर दिल्ली तक का राजनीतिक माहौल गर्म हो गया है।

मीडिया के सर्वे भी बता रहे एक महीने में नीचे आ गया भाजपा का ग्राफ

कुछ समय पहले भाजपा समर्पित टीवी चैनल भाजपा को 140 तक सीटें दे रहें थे मगर पिछले हफ्ते आये सर्वे में यह आंकड़ा 110 तक सिमट गया है। आम आदमी पार्टी खुद को राष्ट्रीय पार्टी बनाने और गुजरात में अपना परचम फहराने के लिए दिन रात जुट गई है। मीडिया के सर्वे में भी इस तरह भाजपा का ग्रॉफ गिरना एक बड़ी चिंता पैदा कर रहा है। जाहिर है गुजरात के लोगों का मूड लगातार बदल रहा है।

नेताजी को यहां के लोगों ने हमेशा सम्मान दिया : डिम्पल

ऐरवा कटरा, गांव नगला दीपा में नुक्कड़ सभाएं की

» कहा, मैनपुरी नेताजी की कर्मभूमि रही है, उनके आदर्शों और विचारों पर चलकर मैनपुरी के विकास को आगे बढ़ाएंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव में समाजवादी पार्टी की प्रत्याशी पूर्व सांसद डिम्पल यादव ने प्रचार अभियान के दौरान भोगांव विधानसभा क्षेत्र में सुल्तानगंज ब्लॉक के विभिन्न गांवों में मतदाताओं से जनसम्पर्क करते हुए कहा कि 5 दिसम्बर को ईवीएम में साइकिल वाले चुनाव चिन्ह पर बटन दबाकर भारी मतों से विजयी बनाकर नेताजी को श्रद्धांजलि दें।

वहीं डिम्पल यादव ने कहा कि मैनपुरी नेताजी मुलायम सिंह यादव की कर्मभूमि रही है। यहां के हर व्यक्ति से नेताजी का निकट सम्बंध रहा है। समाजवादी पार्टी की सरकार ने इस क्षेत्र में बहुत काम किया है। यहां के लोगों को भाजपा भटका नहीं सकती है। नेताजी को यहां के लोगों ने हमेशा सम्मान दिया है। डिम्पल यादव ने गांव ऐरवा कटरा, गांव नगला दीपा में डिम्पल यादव ने नुक्कड़ सभाएं की। गांव जमथरी, गांव सुल्तानगंज, बिछवां कस्बा, गांव देवगंज, गांव नगला मितकर, गांव हन्नूखेड़ा और गांव बलारपुर चौराहा पर ग्रामीणों से संवाद करते हुए कहा यहां के मतदाताओं से हमें बहुत प्यार और सम्मान मिल रहा है। उन्होंने कहा कि नेताजी के आदर्शों और विचारों पर चलकर मैनपुरी के विकास को आगे बढ़ाएंगे। डिम्पल यादव ने कहा कि मैनपुरी के नौजवान, बुजुर्ग तथा महिलाएं नेताजी को कभी नहीं भूलेंगे। उन्होंने कहा कि मैनपुरी के मतदाताओं ने मन बना लिया है। वह समाजवादी पार्टी को भारी मतो सें विजयी बनाकर नेताजी को श्रद्धांजलि देंगे।

डिम्पल को रिकार्ड मतों से जिताकर नेताजी को श्रद्धांजलि देंगे मैनपुरी के मतदाताः अखिलेश

अखिलेश यादव ने मैनपुरी लोकसभा क्षेत्र के मतदाताओं से सम्पर्क करते हुए कहा कि मैनपुरी की धरती नेताजी की कर्मभूमि रही है। यहां के हर घर से नेताजी के निकट सम्बंध रहे हैं। अखिलेश ने कहा कि मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव में डिम्पल यादव को यहां के मतदाता रिकार्ड मतों से जिताकर नेताजी को श्रद्धांजलि देंगे। मैनपुरी का हर मतदाता आजीवन नेताजी का आभारी और कृतज्ञ रहेगा। मैनपुरी लोकसभा क्षेत्र में मैनपुरी विधानसभा क्षेत्र के गांव जरियानीम खेड़ा, सौज, चतुरीपुर, डाडी भट्टा, बघौनी, रठे, ऊंचा तिराहा, कैथोली, चतुरीपुर और नगधरी का भ्रमण कर स्थानीय मतदाताओं से सम्पर्क किया। अखिलेश जहां-जहां गए, वहां ग्रामीणों ने उनका पूरे जोश से स्वागत किया और भरोसा दिया कि वे डिम्पल यादव को भारी मतों से जिताएंगे।

गहलोत सरकार के खिलाफ 1 दिसंबर से जनाक्रोश यात्रा

» यात्रा के लिए बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा जयपुर से रवाना करेंगे 51 रथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान की अशोक गहलोत सरकार के खिलाफ आंदोलन का बिगुल फूंकने वाली बीजेपी ने अपनी जन आक्रोश यात्रा का रोडमैप जारी कर दिया है। बीजेपी आगामी एक दिसंबर को अपनी जनाक्रोश यात्रा का आगाज करेगी। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा जयपुर से 51 जन आक्रोश रथों को हरी झंडी दिखाकर विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों के लिए रवाना करेंगे।

बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया ने दावा किया है कि जन आक्रोश यात्रा गहलोत सरकार में त्राहिमाम कर रही जनता के मुद्दों को मुखरता से उठा कर इस सरकार की नींव हिला देगी। बीजेपी इस दौरान राजस्थान में आम जनता से सीधा संवाद करेगी। तय रणनीति के मुताबिक बीजेपी प्रदेशभर में 20 हजार जनसभाएं करेगी। जन आक्रोश की ये जनसभाएं 14 से 20 दिसंबर होंगी।

मिस्ड कॉल के जरिए भी आम जनता को जोड़ेगी बीजेपी

बीजेपी ने मिस्ड कॉल के जरिए भी आम जनता को पार्टी से जोड़ने का ऐलान किया है। इसके लिए बाकयदा नंबर जारी कर दिया गया है। बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया ने आरोप लगाया कि राज्य के इतिहास में अब तक इतनी नकारा, अराजक और भ्रष्ट सरकार किसी ने नहीं देखी। राज्य में स्वान नवजात के शव नोचते हैं। जयपुर में अबला की रोटी मांगते हुए अस्मत लूट ली जाती है। महिलाएं कहीं भी सुरक्षित नहीं हैं। न वो अस्पताल, न घर और न ही स्कूल में महफूज हैं। भरतपुर में 3 सगे भाइयों को मार डाला गया। पुजारियों को जलाया जा रहा है। जन घोषणा-पत्र के वादे इस सरकार ने निभाए नहीं।

ज्ञानवापी मस्जिद विवाद मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट में सुनवाई आज

» सुप्रीम कोर्ट ने किया था सुनवाई से इनकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। ज्ञानवापी मस्जिद विवाद से जुड़े मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट आज एक बार फिर सुनवाई करेगी। इस मामले में पांच याचिकाएं दाखिल की गई थीं। इनमें से तीन याचिकाओं पर सुनवाई पूरी हो चुकी है। वाराणसी की कोर्ट से जारी विवादित परिसर का सर्वे एसआई से कराए जाने के आदेश के खिलाफ दाखिल दो याचिकाओं पर हाईकोर्ट में आज सुनवाई होगी।

आज की सुनवाई में आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया को अपना हलफनामा दाखिल करना है। साथ ही एएसआई के डायरेक्टर जनरल को आज कोर्ट में पेश होना है। खबरों के मुताबिक, यह सुनवाई दोपहर 2 बजे से जस्टिस प्रकाश पाडिया की सिंगल बेंच करेगी। आज इस मामले में सुनवाई पूरी हो सकती है और कोर्ट सभी पांचों अर्जियों पर अपना जजमेंट रिजर्व रख सकती है। गौरतलब है कि ज्ञानवापी मामले में सोमवार को केस की सुनवाई रोकने वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई की थी। एक वकील ने दावा किया था कि 90 के दशक में सुप्रीम कोर्ट ने मंदिर और मस्जिद की यथास्थिति बनाए रखने कहा था। इसलिए अब हो रही सुनवाई स्ट के आदेश के खिलाफ है। कोर्ट ने पेटिशनर से अपनी बात हाईकोर्ट में रखने को कहा था। जस्टिस डी.वाई.चंद्रचूड़ की बेंच ने कहा कि वह जनहित याचिका पर सुनवाई नहीं करेंगे।

बीजेपी ने फिर पोस्टर के जरिए बोला हमला

'आप सरकार मतलब तिहाड़ में आराम और आनंद'

» दिल्ली बीजेपी ने जारी किया पोस्टर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एमसीडी चुनाव में आम आदमी पार्टी और बीजेपी के बीच पोस्टर वार जारी है। बीजेपी ने एक बार फिर पोस्टर के जरिए अरविंद केजरीवाल और सत्येंद्र जैन पर हमला बोला है। दिल्ली बीजेपी ने अपने ट्वीटर हैंडल से एक पोस्टर शेयर किया है, जिसमें यूएसए की एक वेब सीरीज 'प्रिजन ब्रेक' के पोस्टर के साथ सत्येंद्र जैन और अरविंद केजरीवाल की फोटो लगाई गई है और पोस्टर पर लिखा गया है कि 'प्रिजन ब्रेक' आप सरकार के

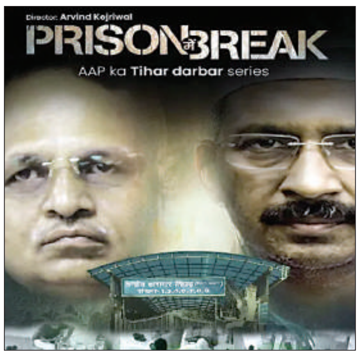

सौजन्य से तिहाड़ में आराम, कायाकल्प, आनंद लें।

बता दें, अभी दो दिन पहले सत्येंद्र जैन का तिहाड़ जेल के पूर्व अधीक्षक अजीत कुमार से मुलाकात का वीडियो सामने आया था। इसी को लेकर बीजेपी ने तिहाड़ दरबार नाम से एक पोस्टर जारी किया था। पोस्टर में सत्येंद्र जैन को तिहाड़ दरबार का महाभ्रष्ट शहंशाह बताया गया था। बता दें, तिहाड़ से आम आदमी पार्टी सरकार में मंत्री सत्येंद्र जैन के अब तक चार वीडियो सामने आ चुके हैं। पहले वीडियो में मसाज, दूसरे में ड्राई फ्रूट्स, तीसरे में जेल अधीक्षक अजीत कुमार से बातचीत और चौथे में उनके कक्ष की साफ-सफाई होते दिख रही है। इन्हीं वीडियो को लेकर बीजेपी आम आदमी पार्टी की सरकार पर हमलावर है।

पांच साल में गुजरात भाजपा को 163 करोड़ का चुनावी चंदा

» कांग्रेस को मिला महज 10.5 करोड़ तो आप को 32 लाख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गुजरात। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की पिछले पांच वर्षों में इलेक्टोरल बॉन्ड के माध्यम से राजनीतिक फंडिंग पर एक रिपोर्ट बताती है कि गुजरात में भाजपा को कुल योगदान का 94 फीसदी हिस्सा यानि कि चुनावी चंदा मिला है।

गुजरात विधानसभा चुनाव के पहले चरण से तीन दिन पहले एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने पिछले पांच वर्षों में चुनावी बॉन्ड के माध्यम से राजनीतिक चंदे पर एक रिपोर्ट पेश की है। इस रिपोर्ट में पता चला है कि भाजपा ने गुजरात में कुल योगदान का 94 फीसदी हिस्सा हासिल किया है। जबकि कांग्रेस को

करीब 5 फीसदी का चंदा मिला। एडीआर की रिपोर्ट का खुलासा होने के बाद विपक्षी पार्टी भाजपा पर निशाना साध रहें हैं। रिपोर्ट के मुताबिक मार्च 2018 से अक्टूबर 2022 तक सभी पार्टियों को कुल मिलाकर 174 करोड़ रुपये का चंदा मिला, जिसमें भाजपा का हिस्सा 163 करोड़ रुपये था। वहीं कांग्रेस को केवल 10.5 करोड़ रुपये के चंदा के साथ संतोष करना पड़ा और आप को सबसे कम 32 लाख रुपये मिला। वहीं अन्य पार्टियों को 20 लाख रुपये मिला।

उपचुनाव से दूर, 24 की तैयारी में जुटीं माया

मैनपुरी उपचुनाव में बीएसपी ने नहीं उतारा उम्मीदवार फिर भी चर्चा में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मैनपुरी लोकसभा सीट और दो विधानसभा सीटों के लिए उपचुनाव हो रहे हैं। पांच दिसंबर को इन सीटों पर मतदान होना है लेकिन सबसे अधिक चर्चा हो रही है मैनपुरी लोकसभा सीट की। मैनपुरी लोकसभा सीट से उपचुनाव में समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव चुनाव मैदान में हैं। मुलायम सिंह यादव के निधन से रिक्त हुई इस सीट से जहां उनकी बहू डिंपल यादव चुनाव मैदान में हैं तो वहीं ऐन चुनाव के वक्त मुलायम का परिवार भी एकजुट हो गया है। दूसरी तरफ, सूबे और केंद्र की सत्ता पर काबिज भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने सपा से ही सांसद रहे रघुराज शाक्य को टिकट दिया था। रघुराज शाक्य को शिवपाल यादव का करीबी माना जाता था लेकिन अब चाचा-भतीजे में सुलह के बाद माहौल बदल गया है।

बीजेपी ने कई बड़े नेताओं को मैनपुरी के चुनावी रण में प्रचार के लिए उतार दिया है वहीं अब चर्चा चुनाव मैदान से दूरी बनाए बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की भी हो रही है। बसपा की चर्चा इसलिए भी हो रही है क्योंकि पार्टी के चुनाव न लड़ने के फैसले के बाद दलित वोटरों का साथ किसे मिलेगा। साल 2019 का लोकसभा चुनाव सपा के साथ मिलकर लड़ने वाली बसपा की प्रमुख मायावती ट्वीट कर लगातार सपा और बीजेपी, दोनों को ही घेर रही हैं। चुनावी इतिहास पर नजर डालें तो मायावती की पार्टी उपचुनाव में अपना उम्मीदवार नहीं उतारती है। हालांकि, अखिलेश यादव के इस्तीफे से रिक्त हुई आजमगढ़ लोकसभा सीट के उपचुनाव में बसपा ने उम्मीदवार उतारा था। राजनीतिक परिस्थितियों और दलित वोटर्स की तादाद को देखते हुए चुनावी समर से हाथी के गायब होने की चर्चा भी खूब हो रही है। अगर मैनपुरी में मतदाताओं की संख्या को देखें तो सबसे ज्यादा यादव मतदाता हैं। दूसरे नंबर पर शाक्य वोटर हैं। अनुसूचित जाति के मतदाताओं की तादाद 1 लाख 52 हजार बताई जा रही है, जिसमें सबसे अधिक जाटव हैं जिन्हें बसपा का परंपरागत वोटर माना जाता है। इधर भाजपा ने बसपा सुप्रीमो व पूर्व मुख्यमंत्री मायावती को उनके घर में तगड़ा झटका दिया है। निकाय चुनाव से पहले कई बसपा नेताओं को अपने पाले में मिला लिया। नोएडा में भाजपा के तिलपता गांव स्थित पार्टी कार्यालय पर सभी ने पूर्व केंद्रीय मंत्री व स्थानीय सांसद डॉ. महेश शर्मा व जिलाध्यक्ष विजय भाटी की मौजूदगी में सदस्यता ग्रहण की। इनमें सपा व रालोद के भी कुछ नेता शामिल हैं। दादरी विधायक तेजपाल नागर भी मौजूद रहे।

बीजेपी पर आक्रामक नहीं हैं मायावती

मायावती बीजेपी पर मौका देख कर हमला करती हैं पर बहुत ज्यादा आक्रामक नहीं होतीं। इन राजनीतिक परिस्थितियों को देखते हुए बीजेपी ने खास तौर पर दलित वोट के लिए अपनी रणनीति को धार दी है। परिवार के एक होने से यादव वोटों के सपा के पक्ष में जाने की उम्मीद है तो वहीं शाक्य को प्रत्याशी बनाकर बीजेपी ने मैनपुरी में दूसरे सबसे बड़े वोट बैंक को एक संदेश दिया है। बीजेपी के सूत्र बताते हैं कि हर बैठक में तैयारी अनुसूचित जाति के डेढ़ लाख वोट को लेकर भी हो रही है।

सपा को टक्कर देती रही है बसपा

साल 2014 में बीजेपी के मजबूती से उभरने से पहले तक सपा को इस सीट पर बसपा ही टक्कर देती रही है। बसपा की गैरमौजूदगी में अनुसूचित जाति के मतदाताओं का क्या रुख रहेगा, सभी की नजरें इसी पर टिकी हैं। गौरतलब है कि 2019 के बाद बसपा सुप्रीमो मायावती ने लगातार इस बात का संदेश दिया कि दलितों का उत्पीड़न करने, उनका अहित करने के लिए बीजेपी के साथ सपा भी जिम्मेदार है। मायावती ने ये संदेश देना शुरू किया कि सपा की राजनीति बसपा की दलित राजनीति के विरोध में है। 2019 के बाद अखिलेश यादव ने जितने नेताओं को सपा में शामिल कराया, उनमें से ज्यादातर बसपा के ही नेता थे। एक चर्चा ये भी है कि अखिलेश यादव ने हाल में किसी भी दलित को एमएलसी नहीं बनाया। ये भी सपा के खिलाफ जा रहा है।

यूपी में बसपा के साथ गठबंधन की राह तलाश रहे ओवैसी

हैदराबाद से लोकसभा के सदस्य और आल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी को उत्तर प्रदेश में बड़ी संभावना दिखने लगी है। उत्तर प्रदेश में दलित वर्ग के समर्पित वोट को देखते हुए ओवैसी को बसपा के साथ वर्ष 2024 में उतरने का बड़ा लाभ भी दिख रहा है। ओवैसी ने गुजरात दौरे में बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती की जमकर प्रशंसा की है। माना जा रहा है कि ओवैसी लोकसभा चुनाव 2024 में उत्तर प्रदेश में बसपा के साथ गठबंधन की संभावना भी तलाश रहे हैं। इसी क्रम में उनका तो अब बसपा की ओर झुकाव भी होने लगा है। गुजरात के विधानसभा चुनाव में अपनी पार्टी के प्रत्याशियों के पक्ष में माहौल बनाने आए असदुद्दीन ओवैसी ने बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती की जमकर सराहना की। ओवैसी ने उत्तर की चार बार मुख्यमंत्री रहीं मायावती को देश की बहुत बड़ी लीडर भी बताया है। हैदराबाद से 2004 से लगातार लोकसभा सदस्य असदुद्दीन ओवैसी ने गुजरात के गोधरा ने कहा कि उनको अभी तो वैसी कामयाबी नहीं मिल रही है। हम उम्मीद करते हैं कि उनकी पार्टी काफी ऊपर उठे। भारत की राजनीति में बहुजन समाज पार्टी की तो अब बहुत ज्यादा जरूरत है। बता दें कि असदुद्दीन ओवैसी आल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। ओवैसी पहली बार 2004 में हैदराबाद लोकसभा सदस्य चुने गए थे। उसके बाद 2009 और 2014 के आम चुनाव में भी हैदराबाद से जीते। 2019 के आम चुनाव में वह फिर से जीते। ओवैसी सरकारी नौकरियों और शिक्षा संस्थानों में पिछड़े मुसलमानों के लिए आरक्षण का समर्थन करते हैं। उनके भाई अकबरुद्दीन ओवैसी तेलंगाना विधान सभा के सदस्य हैं और इसमें पार्टी का नेतृत्व कर रहे हैं। असदुद्दीन ओवैसी के पिता सलाहुद्दीन ओवैसी भी नेता थे। वह दो दशक से भी अधिक तक हैदराबाद के सांसद रहे।

गुजरात चुनाव में बसपा का कोई प्रत्याशी नहीं

उत्तर प्रदेश में असदुद्दीन ओवैसी को बहुजन समाज पार्टी का बड़ा और काफी मजबूत वोट बैंक दिख रहा है। माना जा रहा है कि वर्ष 2024 में ओवैसी अब उत्तर प्रदेश में बहुजन समाज पार्टी के साथ चुनाव के मैदान में उत्तर सकते हैं। गुजरात के चुनाव में बसपा का कोई प्रत्याशी नहीं उतर रहा है, लेकिन वहां पर ओवैसी का बसपा की मुखिया की प्रशंसा करना एक बड़ा संकेत दे रहा है।

वर्ष 2019 में सपा-बसपा का गठबंधन

बहुजन समाज पार्टी ने वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के साथ उत्तर प्रदेश में गठबंधन किया था। बहुजन समाज पार्टी ने दस सीट जीती थी, जबकि समाजवादी पार्टी को पांच पर सफलता मिली थी। इसी दौरान उप चुनाव में समाजवादी पार्टी इनमें से दो को गंवा चुकी है। मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद अब मैनपुरी में पांच दिसंबर को लोकसभा का उप चुनाव होना है।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में अब विधवाओं को वरीयता

» आठ दिसंबर को गरीबों की कन्याओं का होगा सामूहिक विवाह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाज कल्याण विभाग की ओर से मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत एक से आठ दिसंबर को गरीबों की कन्याओं का सामूहिक विवाह होगा। अनुदान के साथ ही विभाग पूरा इंतजाम करेगा। लखनऊ में 977 जोड़ो के सापेक्ष अब तक करीब 300 लोगों ने आवेदन किया है। 27 नवंबर तक आवेदन किया जा सकता है। विधवाओं का प्राथमिकता दी जाएगी। लखनऊ में वर्ष 2017 में 1322 शादियां हुई तो 2018 में 1542 जोड़ों की शादियां हुई।

2019 में 1654 और 2020 में 1790 जोड़ों ने सात फेरे लिए। 2021 में 1350 से अधिक शादियां हुई। इस साल अब तक 255 जोड़ों ने शादियों के लिए आवेदन किया है। जिला समाज कल्याण अधिकारी सुनीता सिंह ने बताया कि लखनऊ में शादी समारोह स्थल को लेकर मंथन चल रहा है। ब्लाक व नगर निगम सीमाओं में आने वाले शादी घरों में भव्य आयोजन होगा। लड़की और लड़के दोनों पक्ष वालों के भोजन का इंतजाम किया जाएगा।

इस वेबसाइट पर करें आवेदन

शादी के समय लड़की की आयु 18 वर्ष पूर्ण होनी चाहिए और लड़के की आयु 21 वर्ष पूरी होनी चाहिए तभी अनुदान मिलेगा। इच्छुक वेबसाइट shadianudan.upsdc.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। निराश्रित कन्या, विधवा महिला की पुत्री, दिव्यांगजन अभिभावक की पुत्री व दिव्यांग और विधवा को अनुदान में प्राथमिकता दी जाएगी।

दस्तावेजों का रखें ध्यान

आधार कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, आवेदक का पहचान पत्र, राष्ट्रीय बैंक में खाता, मोबाइल फोन नंबर, आवेदक की शादी का प्रमाण पत्र, पासपोर्ट साइज फोटो।

कितना मिलता है अनुदान

दो लाख वार्षिक आय वाले परिवार की युवतियों को सामूहिक शादी अनुदान का भुगतान समाज कल्याण विभाग करता है। 51 हजार रुपये का अनुदान मिलता है। इसमें 35 हजार रुपये लड़की के बैंक खाते में भेजा जाता है और 10 हजार रुपये का शादी का सामान और छह हजार शादी में खर्च के लिए मिलते हैं। समाज कल्याण विभाग की ओर से हर जाति व धर्म के लोगों को शादी अनुदान दिया जाता है। 18 साल के ऊपर के युवतियां शादी अनुदान की पात्र होंगी। परिवार की वार्षिक आय दो लाख रुपये से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। आवेदक को उत्तर प्रदेश का निवासी होना अनिवार्य है।

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

स्मार्ट शहर का सपना अधूरा!

> "प्रदेश में स्मार्ट शहर बस सपना बनकर रह गया है। सरकार के तमाम दावों के बावजूद लखनऊ समेत अधिकांश शहरों में बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। गंदगी, जर्जर सड़कें, जाम, अतिक्रमण और दूषित पेयजल यहां के शहरों की पहचान बन चुके हैं। लखनऊ तक इससे अछूता नहीं है। वहीं तमाम संसाधनों से लैस नगर निगम आज तक यहां की व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने में नाकाम साबित हुआ है।

प्रदेश में स्मार्ट शहर बस सपना बनकर रह गया है। सरकार के तमाम दावों के बावजूद लखनऊ समेत अधिकांश शहरों में बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। गंदगी, जर्जर सड़कें, जाम, अतिक्रमण और दूषित पेयजल यहां के शहरों की पहचान बन चुके हैं। लखनऊ तक इससे अछूता नहीं है। वहीं तमाम संसाधनों से लैस नगर निगम आज तक यहां की व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने में नाकाम साबित हुआ है। सरकार के आदेश भी दरकिनार कर दिए गए हैं। लिहाजा शहरवासी परेशान हैं। सवाल यह है कि शहरों की व्यवस्था दुरुस्त करने में नगर निगम और नगरपालिकाएं नाकाम क्यों हैं? क्या ये जनता से टैक्स वसूलने का जरिया भर हैं? आखिर शहर को दुरुस्त करने के लिए आवंटित बजट कहां खर्च किया जा रहा है? शहर गंदगी का पर्याय क्यों बन गए हैं? बारिश के समय भी जलनिकासी की व्यवस्था दुरुस्त क्यों नहीं की जाती है? क्या भ्रष्टाचार ने पूरे तंत्र को पंगु बना दिया है? क्या ऐसे ही शहरों को स्मार्ट बनाने का सपना साकार होगा?

केंद्र व प्रदेश सरकार दोनों ने शहरों को स्मार्ट बनाने का वादा किया था। इसके लिए तमाम आदेश-निर्देश पारित किए गए। बजट भी जारी किया गया। शहरवासियों को तमाम सुविधाएं देने का दम भी भरा गया लेकिन हालात आज भी जस के तस हैं। बारिश में अधिकांश शहर टापू में तब्दील हो गए थे। लिहाजा लोगों का घर से निकलना मुश्किल हो गया था। नाली और नालों की गंदगी सड़कों पर फैल चुकी है और संक्रामक रोग का खतरा उत्पन्न हो गया है लेकिन नगर निगम ने अभी तक यहां की जलनिकासी का प्रबंध नहीं किया है। जाड़ा शुरू हो चुका है। बावजूद डेंगू पांव पसार रहा है। जिम्मेदार लापरवाह बने हुए हैं। यह स्थिति तब है जब नगर निगम पर्याप्त संसाधनों से लैस है और शहर की व्यवस्था के लिए उसके पास कर्मियों का अमला मौजूद है। इसके अलावा यहां स्वच्छता अभियान की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। कूड़ा उठान और निस्तारण की व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है। सड़कों से लेकर गलियों तक में गंदगी फैली हुई है। जाम और अतिक्रमण स्थायी समस्या बन चुकी है। अतिक्रमण हटाओ अभियान की खानापूर्ति हो रही है। यही हाल प्रदेश के अन्य शहरों का है। यदि सरकार शहरों की व्यवस्था को दुरुस्त करना चाहती है तो उसे न केवल संबंधित विभागों को जवाबदेह बनाना होगा बल्कि लापरवाह कर्मियों को चिन्हित कर उनके खिलाफ कार्रवाई भी करनी होगी अन्यथा स्मार्ट शहर बस सपना ही रहेगा। स्मार्ट शहर की सूची में लखनऊ में 12वें पायदान पर है। पहले पायदान पर आने के लिए शहर को स्वच्छ रखना होगा। नगर निगम के साथ-साथ लोगों को भी जागरूक होना पड़ेगा, तभी शहर स्मार्ट कहलाएंगे।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

स्पष्ट और प्रभावी डाटा कानून जरूरी

विराग गुप्ता

डाटा सुरक्षा के नए विधेयक के मसौदे पर सरकार ने 17 दिसंबर तक सुझाव मांगा है। बजट सत्र में इस पर कानून बनाने की बात हो रही है। मौजूदा चुनावी प्रचार के कुछ रोचक मुद्दों से इसके महत्व को समझा जा सकता है। सत्ता पक्ष का दावा है कि देश में हो रहे बड़े पैमाने पर विकास को डाटा की सस्ती कीमत से समझा जा सकता है, जबकि विपक्षी नेता राहुल गांधी के अनुसार इवीएम की तर्ज पर सोशल मीडिया से भी चुनावी प्रक्रिया और लोकतंत्र को प्रभावित किया जा सकता है। इन सब चुनावी भाषणों से परे बेंगलुरु में एक निजी संस्था ने लाखों लोगों के व्यक्तिगत संवेदनशील डाटा को इकट्ठा करने की कोशिश की, जिसकी जांच सरकार कर रही है। इंटरनेट आने के बाद भारत में 2000 में आईटी कानून बनाया गया। उसके बाद सोशल मीडिया, ई-कॉमर्स, डिजिटल पेमेंट के विस्तार होने पर 2011 में आईटी इंटरमीडियरी नियम बनाये गये। जस्टिस एपी शाह समिति की रिपोर्ट के आधार पर 2012 में पहली बार डाटा सुरक्षा कानून का मसौदा तैयार हुआ।

आधार से जुड़े डाटा सुरक्षा पर विवाद के बाद सुप्रीम कोर्ट के नौ जजों की बेंच ने 2017 में प्राइवेसी के पक्ष में ऐतिहासिक फैसला दिया। उसके बाद जस्टिस श्रीकृष्णा समिति की रिपोर्ट के आधार पर 2018 और फिर 2019 में नये कानून का ड्राफ्ट जारी हुआ। सरकार ने 2021 में नया बिल संसद में पेश किया, पर उसे वापस ले लिया गया। तब सरकार ने भ्रम और विरोधाभास दूर करने के लिए नया ड्राफ्ट बनाने की बात की थी। केंद्रीय आइटी मंत्री के अनुसार इस संतुलित कानून से भारतीय ग्राहकों को डिजिटल सुरक्षा मिलने के साथ स्टार्टअप अर्थव्यवस्था को लाभ होगा। इससे ग्राहकों की सहमति के बगैर डाटा का व्यावसायिक इस्तेमाल नहीं हो पायेगा। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से ग्राहकों का संबंध खत्म होने के बाद यूजर के निजी डाटा को हटाना होगा। बैंक में खाता खुलवाने के लिए सिर्फ केवाईसी के लिए जरूरी डाटा ही लिया जायेगा। कंपनियां बेवजह लोगों का निजी डाटा हासिल नहीं कर सकेंगी। इसके दो और प्रावधानों को बहुत ही प्रगतिशील बताया जा रहा है। अठारह साल से कम उम्र के बच्चों को नाबालिग मानते हुए उनका डाटा हासिल करने के लिए अभिभावकों की स्वीकृति जरूरी होगी। इस बिल में पुरुष वाचक ही जैसे शब्दों के बजाय महिलाओं के लिए शी और हर जैसे शब्दों का इस्तेमाल होना महिला सशक्तीकरण के लिहाज से प्रगतिशील माना जा रहा है। लेकिन पिछले दस सालों से हो रही विधायी मेहनत और सुप्रीम कोर्ट के फैसलों के गंभीर बिंदुओं का इस ड्राफ्ट में अभाव है। साल 2019 के बिल में अपराधों को स्पष्ट तौर पर परिभाषित करने के साथ कठोर दंड के प्रावधान थे, जिनका इसमें अभाव है। ग्राहकों के लिहाज से देखें, तो टेक कंपनियों से हर्जाना वसूलने के लिए कोई कानूनी प्रावधान नहीं है। उसके उलट गलत जानकारी देने या फिर गलत शिकायत करने पर आम ग्राहक पर 10 हजार रुपये तक का जुर्माना लग सकता है। पुराने बिल में ग्राहकों को एक प्लेटफार्म से दूसरे प्लेटफार्म में जाने के लिए डाटा पोर्टेबिलिटी का प्रावधान था, जो इसमें नहीं है। सिग्निफिकेंट डाटा फ्यूडिसरी को परिभाषित करने के लिए भी इसमें स्पष्ट प्रावधान नहीं हैं। किसी भी डाटा सुरक्षा कानून को सफल बनाने के लिए इंटरनेट और टेक कंपनियों का भारत में रजिस्ट्रेशन जरूरी होना चाहिए। इससे भारत के सभी कानून लागू करने के साथ उनके डिजिटल कारोबार से टैक्स की वसूली भी हो सकती है। लेकिन इस बारे में नया बिल मौन है।

इस कानून को लागू करने के लिए डाटा सुरक्षा बोर्ड के गठन का प्रावधान है, जिसके पास सिविल कोर्ट के पावर होंगे। लेकिन बोर्ड का गठन सरकार करेगी, जिससे उसके अधिकार और स्वायत्तता पर अनेक सवाल खड़े हो रहे हैं।

पुराने बिल के अनुसार डेटा के स्थानीयकरण के बारे में सख्त प्रावधान थे, जिन्हें अब खत्म कर दिया गया है। सरकार और जांच एजेंसियों को मिल रही छूट पर कई लोग सवाल उठा रहे हैं, लेकिन निजी कंपनियों के लिए सख्त कानूनी व्यवस्था नहीं बनने से यह कवायद अर्थहीन हो सकती है। साल 2021 के नये आईटी नियमों के अनुसार इंटरनेट कंपनियों को शिकायत, नोडल और कम्प्लाइंस अधिकारी की नियुक्ति करनी है। प्रस्तावित डेटा सुरक्षा कानून में दो और अधिकारियों की नियुक्ति का प्रावधान है। इतने तरह के अधिकारियों की नियुक्ति के प्रावधान के बावजूद आम जनता, पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों को विदेशी टेक कंपनियों से कोई मदद नहीं मिलती है। डाटा कारोबार में मुनाफे के बड़े खेल को देखते हुए सरकार ने पुराने बिल में बड़ी कंपनियों के कारोबार के चार फीसदी तक जुर्माना वसूलने का प्रावधान किया था। लेकिन अब कानून के उल्लंघन पर ढाई सौ करोड़ रुपये तक के जुर्माने के साथ सभी नियमों के तहत मिलकर अधिकतम 500 करोड़ का जुर्माना ही लग सकता है। विश्व के 194 में से 137 देशों ने डाटा सुरक्षा के बारे में प्रभावी कानून बनाये हैं। यूरोप में चार साल पहले लागू हुए जीडीपीआर कानून के अनुसार टेक कंपनियों पर अरबों डॉलर के जुर्माने लग रहे हैं।

महिलाओं के खिलाफ खत्म हो हिंसा

क्षमा शर्मा

हर वर्ष 25 नवंबर को अंतरराष्ट्रीय महिला हिंसा उन्मूलन दिवस मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने के पीछे 1960 की एक घटना है। बताया जाता है कि तब डोमिनिकन गणराज्य के शासक राफेल ट्रुजिलो के आदेश पर तीन महिला राजनीतिक कार्यकर्ताओं की हत्या कर दी गयी थी। इन तीनों का अपराध यह था कि वे राफेल जैसे तानाशाह की नीतियों का लगातार विरोध कर रही थीं। इस तिहरे हत्याकांड से तमाम मानवा धिकार कार्यकर्ता सन्न रह गये थे। वर्ष 1981 से इस दिवस को इन महिलाओं की स्मृति के रूप में मनाया जाने लगा। फिर 1999 में बाकायदा संयुक्त राष्ट्र ने घोषणा की कि 25 नवंबर को हर वर्ष अंतरराष्ट्रीय महिला हिंसा उन्मूलन दिवस मनाया जाएगा। इस दिवस को 2000 से मनाया जा रहा है। इस वर्ष 25 नवंबर से 10 दिसंबर तक महिलाओं के प्रति होने वाली हिंसा के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अभियान चलाया जा रहा है। एनसीआरबी के 2021 के आंकड़ों के अनुसार, पूरे देश में महिलाओं के खिलाफ होने वाली तरह-तरह की हिंसा के 4,28,278 मामले दर्ज किये गये थे। जो 2020 के मुकाबले 56,775 अधिक थे। इनमें सबसे ज्यादा मामले पति और उसके रिश्तेदारों द्वारा की गयी हिंसा के थे। इसके अतिरिक्त स्त्री की शालीनता का लाभ उठाना, अपहरण और दुष्कर्म आदि के मामले शामिल थे। ये सारे मामले वे हैं, जिनकी शिकायत थानों में दर्ज होती है। ऐसे न जाने कितने मामले होते हैं, जो प्रकाश में आ ही नहीं पाते। सामाजिक भय, लज्जा की भावना, लोगों द्वारा बहिष्कार के डर से दर्ज नहीं कराये जाते। दर्ज कराने के बाद भी न्याय की धीमी और महंगी प्रक्रिया से कितनों को न्याय मिल पाता है?

महिलाओं के प्रति हिंसा को सिर्फ वे ही अपना अधिकार नहीं मानते, जो आम राय में पढ़े-लिखे और जागरूक नहीं हैं, बल्कि वे भी इस हिंसा में गाहे-बगाहे शामिल हो जाते हैं, जिन्हें समाज का क्रीम कहा जाता है। दशकों पहले की बात है। बड़े पद पर काम करने वाले एक पत्रकार थे। समाज में महिलाओं की स्थिति पर अक्सर अपने क्रांतिकारी विचार प्रकट करते रहते थे। एक बार उनके दोस्त अपनी पत्नी की तरह-तरह से शिकायत कर रहे थे। कह रहे थे कि बात-बात पर लड़ती है। हर वक्त पैसे मांगती है। मायके जाने की धमकी देती है। पहले तो क्रांतिकारी पत्रकार महोदय सुनते रहे और खूब ठहाके लगाते रहे जैसे मजेदार चुटकुले सुन रहे हों। फिर उन्होंने सुझाव दिया- तुम्हारी पत्नी है कि आफत। अगर तुम्हारे सामने उसकी इतनी बोलने की हिम्मत है, तो फिर सिर पर भी तुमने ही चढ़ाया होगा। दो-चार दिन जैसे ही मुंह खोले, दो हाथ धर देना। फिर भी न माने, तो कह देना कि अपने मायके चली जाए और तब तक न आए जब तक कि मन न भर जाए। अपने आप ठीक हो जायेगी। पिटाई के डर से बड़े-बड़ों के भूत भागते हैं। यानी कि औरत को वश में रखना हो, तो उसे पीटना बहुत जरूरी है। बहुत सी लोक कथाएं, कहावतें, फिल्में, लोकोक्तियां इस तरह के विचार का बाकायदा समर्थन करती पायी जाती हैं। औरत को पिटाई से ही काबू में रखा जा सकता है, इस तरह की सोच बहुत से पुरुषों की ही नहीं, महिलाओं की भी है। और सिर्फ भारत में ही नहीं, दुनियाभर में इस विचार के समर्थक मिलते हैं। बनाते रहिए घरेलू हिंसा के खिलाफ कानून। यहां एक बात और ध्यान देने लायक है कि अक्सर वैसी गरीब, साधनहीन स्त्रियां जो पूरी तरह पति पर निर्भर हैं, या निर्भर नहीं हैं तब भी, इस तरह की हिंसा का शिकार सबसे अधिक वे ही होती हैं। इनमें से अधिकांश इस तरह की मार-पीट के लिए शराब को जिम्मेदार ठहराती हैं। पर इसी वर्ग की अधिकांश महिलाएं हिंसा का समर्थन भी करती हैं। कुछ वर्ष पहले हुए एक सर्वे में बड़ी संख्या में महिलाओं ने कहा था कि पति द्वारा पिटाई ठीक होती है। यदि स्त्री समय पर खाना न बनाए, बच्चों की देखभाल न करे, सास-ससुर की सेवा न करे, पति की बात न माने, तो पति द्वारा पिटाई सही है। यह बात केवल घरेलू हिंसा तक ही सीमित नहीं है। घर से बाहर भी बहुत से लोग महिलाओं को आसान शिकार समझते हैं। मार-पीट, छेड़छाड़, हमला बोल देना, दुष्कर्म आदि की घटनाएं तो होती ही रहती हैं। महिलाओं को राजनीतिक हिंसा का शिकार भी होना पड़ता है। संयुक्त राष्ट्र ने 2008 में एक अभियान शुरू किया था कि 2030 तक महिलाओं के खिलाफ हर तरह की हिंसा रुकनी चाहिए। पर फिलहाल ऐसा होता दूर-दूर तक नजर नहीं आ रहा। बहुत से देश और सरकारें महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ होने वाली हिंसा के विरोध में एकजुट भी हैं। अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार महिलाओं को हिंसा से बचाने के लिए कानूनों में सुधार, विचार-विमर्श, लोगों में जागरूकता बढ़ाना, सुरक्षित आवास मुहैया कराना, घर-बाहर, कार्यस्थलों आदि पर सुरक्षित वातावरण आदि तैयार करने पर भी एकमत होना जरूरी है। लेकिन महिलाओं के खिलाफ हर तरह की हिंसा समाप्त करने के लिए सिर्फ सरकारों की नहीं, आम जन की भी असली भागीदारी चाहिए। यह कैसे हो, इस पर सोचा जाना चाहिए। कोरोना के दौरान भी महिलाओं ने तरह-तरह की हिंसा के अनुभव बताये थे।

कहीं आपके बच्चे में भी तो नहीं हो रही मायोपिया

आंखों की समस्याओं को सिर्फ उम्र के साथ होने वाली दिक्कत मानने की गलती न करें, हाल के वर्षों में कम उम्र के लोग भी इससे संबंधित कई प्रकार के विकारों के शिकार हो रहे हैं। मायोपिया, आंखों की ऐसी ही एक समस्या है जिसके शिकार बच्चे-युवा भी तेजी से होते जा रहे हैं। लाइफस्टाइल में गड़बड़ी, विशेषतौर पर कंप्यूटर और मोबाइल के स्क्रीन पर लंबे समय तक देखते रहने की आदत इस समस्या के जोखिम को बढ़ाती जा रही है। मायोपिया आमतौर पर बचपन और किशोरावस्था के दौरान विकसित हो सकती है, 20 और 40 की उम्र के बीच वाले लोगों में इसका जोखिम अधिक देखा गया है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, निकट दृष्टिदोष (मायोपिया) एक सामान्य दृष्टि से संबंधित विकार है, जिसमें निकट की वस्तुएं तो स्पष्ट दिखाई देती हैं, लेकिन दूर की चीजें धुंधली दिखाई देने लगती हैं। प्रकाश किरणों के गलत तरीके से अपवर्तित होने का कारण इस विकार को जोखिम होता है। दृष्टि सही होने के लिए प्रकाश की किरणों को आंखों के पीछे तंत्रिका ऊतकों (रेटिना) पर केंद्रित होनी चाहिए। हालांकि इस स्थिति में यह रेटिना के सामने केंद्रित होने लगती है। डॉक्टर कहते हैं, आनुवांशिकी के अलावा आंखों की इस तरह की दिक्कतों के लिए लाइफस्टाइल को प्रमुख कारक माना जाता है, सभी लोगों को इससे बचाव करते रहना चाहिए।

मायोपिया के लक्षण

मायोपिया की स्थिति में दूर की वस्तुएं धुंधली दिखाई देने लगती हैं। चीजों को सही तरीके से देखने के लिए आपको आंशिक रूप से पलकें बंद करने की आवश्यकता हो सकती है। आंखों की इस प्रकार की समस्या में अक्सर सिर दर्द, आंखों में दर्द बनी रहती है। इस तरह की दिक्कतें महसूस होती हैं तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करके इसका समय रहते इलाज प्राप्त करना आवश्यक हो जाता है।

दूर की वस्तुओं को पहचानने में दिक्कत।
जरूरत से ज्यादा पलकें झपकना।
कम रोशनी में चीजों को स्पष्ट न देख पाना।

मायोपिया के जोखिम को कैसे करें कम

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, निकट दृष्टिदोष के जोखिम को कम करने के लिए बच्चों को घर से बाहर अधिक खेलने के लिए प्रोत्साहित करें। घर के अंदर के समय को बाहर के समय के साथ संतुलित करना बच्चे के स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती के लिए फायदेमंद होता है। बाहर का समय निकट दृष्टिदोष से बचाव करता है और आंखों के स्वास्थ्य के लिए एक अच्छा नुस्खा है। आंखों को स्वस्थ रखने के लिए हरियाली देखने को ज्यादा लाभकारी माना जाता है।

स्क्रीन टाइम बढ़ना इस समस्या का कारक

अध्ययनों से पता चला है कि जो बच्चे लंबे समय तक कंप्यूटर या स्मार्टफोन का उपयोग करते रहते हैं, उनमें निकट दृष्टिदोष विकसित होने का अधिक जोखिम होता है। बढ़ा हुआ स्क्रीन टाइम मायोपिया के अलावा भी आंखों को कई प्रकार से प्रभावित कर सकता है। इसके अधिक उपयोग के कारण आंखों में जलन, लालिमा, धुंधली दृष्टि जैसी दिक्कतें होने का खतरा अधिक रहता है। डॉक्टर मोबाइल-कंप्यूटर पर अधिक समय बिताने से रोकते हैं।

ऐसे स्वस्थ रखें आंखों को

- मायोपिया जैसे विकारों से बचाव करने और आंखों को स्वस्थ बनाए रखने के लिए दिनचर्या में कुछ बातों का ध्यान रखना बहुत आवश्यक होता है।
- आंखों की नियमित जांच कराएं।
- अपनी आंखों को धूप से बचाएं।
- खेल या काम के दौरान सुरक्षात्मक आईवियर पहनें, जिससे आंखों में चोट लग सकती है।
- पढ़ते और काम करते समय अच्छी रोशनी का प्रयोग करें।
- कंप्यूटर या अन्य स्क्रीन पर 20 मिनट तक देखने के बाद 20 सेकंड के लिए 20 फीट दूर किसी चीज को देखना चाहिए।
- स्वस्थ भोजन और नियमित व्यायाम करें।
- उच्च रक्तचाप या मधुमेह जैसी स्वास्थ्य स्थितियों को नियंत्रित करें, ये आपकी दृष्टि को प्रभावित कर सकती हैं।

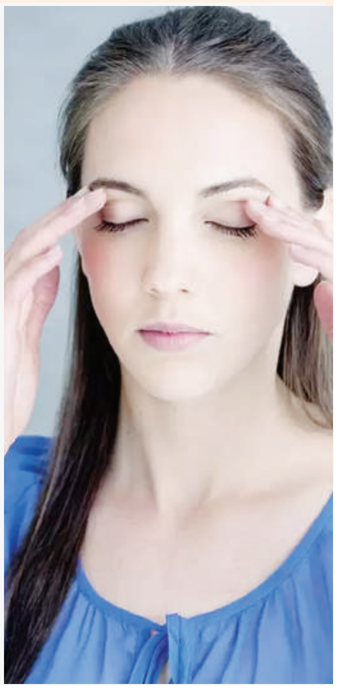

हंसना मना है

शादी के बाद एक दिन पति-पत्नी फुर्सत में बैठे थे। अचानक पति ने पूछा-एक बात बताओ शादी से पहले तुम्हारे कितने ब्वॉयफ्रेंड थे? पत्नी अन्दर गई और एक लिफाफा लेकर आई, जिसमें चावल के कुछ दाने और 200 रुपये रखे थे। पति: ये क्या है? पत्नी: मैं जब भी कोई ब्वॉयफ्रेंड बनाती थी, तब एक चावल का दाना इस लिफाफों में डाल देती थी। यह सुनकर पति ने चावल के दाने गिने। कुल सात निकले। बोला: सात हैं, कोई बात नहीं, आजकल इतने तो हर लड़की के होते हैं लेकिन ये 200 रुपये किसलिए रखे हैं? पत्नी: चार किलो चावल बेच दिए।

पत्नी: मेरा वजन कैसे कम होगा? पति: अपनी गर्दन को दाएं से बाएं हिलाती रहो। महिला: किस समय? पति: जब कोई खाने को पूछे!

पत्नी: तुम्हें ज़रा भी तमीज़ नहीं है? मैं घंटों से बोले जा रही हूं और तुम हो कि उबासी ले रहे हो। पति: मैं उबासी नहीं ले रहा, बोलने की कोशिश कर रहा हूं, लेकिन तुम हो कि बोलने ही नहीं दे रही हो।

अगर कोई सबह-सुबह उठने में नखरें दिखाए,तो बस एक तरीका आजमाना है, वह अपने आप उठ जाएगा, उसके कान में जाकर धीरे से कह दो तेरे पापा तेरा मोबाइल चेक कर रहे हैं।

अमीर आदमी: मेरे पास गाड़ी है, बंगला है, नौकर है, फार्महाउस है, तेरे पास क्या है? गरीब आदमी: मेरे पास एक बेटा है, जिसकी गर्लफ्रेंड तेरी बेटी है।

कहानी | खटमल और बेचारी जूं

एक राजा के शयनकक्ष में मंदरीसर्पिणी नाम की जूं ने डेरा डाल रखा था। रोज रात को जब राजा जाता तो वह चुपके से बाहर निकलती और राजा का खून चूसकर फिर अपने स्थान पर जा छिपती।संयोग से एक दिन अग्निमुख नाम का एक खटमल भी राजा के शयनकक्ष में आ पहुंचा। जूं ने जब उसे देखा तो वहां से चले जाने को कहा। उसने अपने अधिकार-क्षेत्र में किसी अन्य का दखल सहन नहीं था। लेकिन खटमल भी कम चतुर न था, बोलो, 'देखो, मेहमान से इसी तरह बर्ताव नहीं किया जाता, मैं आज रात तुम्हारा मेहमान हूं।' जूं अतत: खटमल की चिकनी-चुपड़ी बातों में आ गई और उसे शरण देते हुए बोली, ठीक है, तुम यहां रातभर रुक सकते हो, लेकिन राजा को काटोगे तो नहीं उसका खून चूसने के लिए।' खटमल बोला, 'लेकिन मैं तुम्हारा मेहमान है, मुझे कुछ तो दोगी खाने के लिए। और राजा के खून से बढ़िया भोजन और क्या हो सकता है। ठीक है। जूं बोली, तुम चुपचाप राजा का खून चूस लेना, उसे पीड़ा का आभास नहीं होना चाहिए। जैसा तुम कहोगी, बिलकुल वैसा ही होगा। कहकर खटमल शयनकक्ष में राजा के आने की प्रतीक्षा करने लगा। रात ढलने पर राजा वहां आया और बिस्तर पर पड़कर सो गया। उसे देख खटमल सबकुछ भूलकर राजा को काटने लगा, खून चूसने के लिए। ऐसा स्वादिष्ट खून उसने पहली बार चखा था, इसलिए वह राजा को जोर-जोर से काटकर उसका खून चूसने लगा। इससे राजा के शरीर में तेज खुजली होने लगी और उसकी नींद उचट गई। उसने क्रोध में भरकर अपने सेवकों से खटमल को ढूंढकर मारने को कहा। यह सुनकर चतुर खटमल तो पंलग के पाए के नीचे छिप गया लेकिन चादर के कोने पर बैठी जूं राजा के सेवकों की नजर में आ गई। उन्होंने उसे पकड़ा और मार डाला।

सीख: हमें अजनबियों की चिकनी- चुपड़ी बातों में आकर उनपर भरोसा नहीं करना चाहिए अपितु उनसे सावधान ही रहना चाहिए।

5 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

कोई शारीरिक समस्या नही होगी तथा आप पहले से ज्यादा मजबूत महसूस करेंगे। काम का बोझ होने के कारण भी आप सभी कामो को अच्छे से निपटा देंगे।

वृषभ

छात्रों का आज के दिन अपनी पढ़ाई पर ध्यान कम लगेगा तथा वे टीवी-कंप्यूटर इत्यादि में खोये रहेंगे। इस कारण माता-पिता आपसे निराश भी रह सकते हैं।

मिथुन

परिवार में सुख-समृद्धि का माहौल रहेगा व सभी सदस्य आपसे खुश होंगे। घर में कोई धार्मिक आयोजन होने की भी संभावना हैं जिससे सभी का मन उस ओर लगा रहेगा।

कर्क

यदि आपको बीपी की समस्या रहती है तो आज के दिन खाने में कोई ऐसी चीज ना ले जिससे आपका बीपी घट या बढ़ जाए अन्यथा समस्या हो सकती है।

सिंह

शारीरिक रूप से तो कोई समस्या नही होगी लेकिन मानसिक स्वास्थ्य खराब रहने की संभावना हैं। ऐसे में अपने मन को शांत रखे व कोई भी कार्य करने से पहले अपनों से बड़ों का परामर्श अवश्य ले।

कन्या

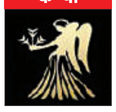

यदि आपकी अपने साथी के प्रति मन में कोई आशंका हैं तो आज के दिन उसे दूर करने का प्रयास करे अन्यथा बात बिगड़ सकती हैं। आज का दिन आपके जीवनसाथी के प्रति विश्वास को मजबूत करने वाला होगा।

तुला

घर की बातों को बाहर कहने से बचें। यदि परिवार में किसी सदस्य के साथ आपकी अनबन हैं तो उसके साथ बैठकर इस समस्या को सुलझाने का प्रयत्न करें।

वृश्चिक

आज का दिन आपके लिए शुभ संकेत लेकर आ रहा है। इसलिये इस समय का उचित उपयोग करे। ऐसे समय में लाभ को सार्वजानिक करने से बचे क्योंकि शत्रु की नजर आप पर ही होगी।

धनु

उच्च शिक्षा ग्रहण कर रहे छात्रों को आज के दिन कई नए अवसर प्राप्त होंगे लेकिन अनदेखी के कारण वे उनके हाथ से निकल जायेंगे। सरकारी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्र अपने लिए किसी नए विषय को खोजेंगे।

मकर

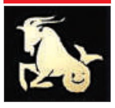

आज के दिन आपका स्वास्थ्य तो ठीक रहेगा लेकिन बच्चों का स्वास्थ्य खराब होने की आशंका आपको लगी रहेगी जिस कारण आपका मानसिक स्वास्थ्य ठीक नही रहेगा।

कुम्भ

आज का दिन आपके परिवार के सदस्यों के बीच आपसी मतभेद वाला होगा। परिवार के सदस्यों के बीच किसी बात को लेकर झगड़ा होने की संभावना हैं जिससे

मीन

नौकरी कर रहे लोगों के लिए आज के दिन आर्थिक उन्नति के संकेत हैं। उन्हें अपने ऑफिस में कोई बड़ा पद मिल सकता हैं जिससे घर में सभी को प्रसन्नता होगी।

धमाल मचाने को तैयार 'पुष्पा द राइज'

साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा :द राइज रिलीज होते ही बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा दी थी। फिल्म को दर्शकों का बेशुमार प्यार मिला है। देश में ही नहीं विदेश में भी फिल्म ने धमाल मचाया है। मेकर्स अब फिल्म को रूस में भी रिलीज के लिए तैयार है। दिसंबर में होने वाले फिल्म के प्रीमियर में अल्लू अर्जुन शामिल होंगे। सुकुमार के डायरेक्शन में बनी पुष्पा :द राइज साल 2021 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में अल्लू अर्जुन के साथ रश्मिका मंदाना लीड रोल में दिखाई दीं थी। फिल्म ने तमिल, तेलुगू ही नहीं हिंदी में भी शानदार कमाई की थी। बॉक्स ऑफिस पर मिली सफलता के बाद से ही दर्शक फिल्म के दूसरे पार्ट का इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म की कहानी, सितारों के अभिनय के अलावा गानों को भी दर्शकों ने काफी पसंद किया है। पुष्पा- द राइज रूस में अगले महीने यानी दिसंबर में रिलीज होगी। फिल्म का प्रमोशन करने के लिए अल्लू अर्जुन एक हफ्ते पहले रूस जाएंगे। बता दें कि फिल्म के पार्ट 2 का भी फैंस को इंतजार है। फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है और यह जल्द ही सिनेमाघरों में भी दस्तक देगी। खबरों की मानें तो पुष्पा 2 पहले भाग से ज्यादा मजेदार होने वाली है। रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म का कुछ हिस्सा बैंकॉक में शबट किया गया है। हाल ही में अल्लू अर्जुन को न्यूयॉर्क में हुए एनुअल इंडिया डे परेड में भाग लेने के लिए बुलाया गया था। वहीं, उन्हें इंडियन ऑफ द ईयर के अवॉर्ड से भी सम्मानित किया गया था। फैंस एक बार फिर अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना की जोड़ी को पर्दे पर देखने के लिए एक्साइटेड हैं। वहीं सेट से आ रही फिल्म की झलकियां भी फैंस का उत्साह लगातार बढ़ा रही हैं।

ऋचा चड्ढा के विवादित ट्वीट के बाद दो भागों में बंटा बॉलीवुड

ऋचा चड्ढा खबरों में छाई हुई हैं। अभिनेत्री अपने ट्वीट की वजह से विवादों में घिर गईं हैं। कुछ दिन पहले ही अभिनेत्री को गलवान मुद्दे पर ट्वीट करने के लिए सोशल मीडिया पर ट्रोल किया गया था, उनके खिलाफ शिकायत भी दर्ज करवाई गई। मामले को बढ़ता देख ऋचा चड्ढा ने ट्वीट कर इस पूरे मामले पर माफी मांगी, लेकिन फिर भी मामला ठंडा नहीं हुआ, बल्कि और भड़क उठा है। वहीं इस मामले में मनोरंजन जगत भी दो भागों में बंट गया है। ऋचा चड्ढा के खिलाफ ट्वीट करने के लिए साउथ अभिनेता प्रकाश राज ने अक्षय कुमार पर तंज कसा। उन्होंने एक्टर के ट्वीट को रिट्वीट करते हुए लिखा, आपसे ये उम्मीद नहीं थी अक्षय कुमार। ऋचा चड्ढा हमारे देश के लिए आपसे ज्यादा प्रासंगिक है सर। वहीं इससे पहले भी प्रकाश राज ने ऋचा के गलवान ट्वीट पर लिखा- हम आपके साथ हैं ऋचा चड्ढा, हम जानते हैं कि आपके कहने का क्या मतलब था। अक्षय कुमार ने ऋचा चड्ढा का विरोध करते हुए लिखा था कि-कभी भी हमें अपने सशस्त्र बलों के प्रति कृतघ्न नहीं होना चाहिए। वो हैं तो आज हम हैं। अनुपम खेर ने ऋचा चड्ढा की क्लास लगाई। उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा कि- देश की बुराई करके कुछ लोगों के बीच लोकप्रिय होने की कोशिश करना कायर और छोटे लोगों का काम है। सेना के सम्मान को दांव पर लगाना, इससे ज्यादा शर्मनाक और क्या हो सकता है। अशोक पंडित ने तो इस ट्वीट के बाद ऋचा के खिलाफ एफआईआर तक दर्ज करवा दी।

बॉलीवुड | मन की बात

पश्मीना को डेट करने की खबरों का कार्तिक आर्यन ने किया खंडन

कार्तिक आर्यन इन दिनों हर तरफ चर्चा के विषय बने हुए हैं। जहां अभिनेता की फिल्म फ्रेडी का टीजर और शहजादा से फर्स्ट लुक आउट हुआ है। वहीं, कार्तिक की प्रोफेशनल लाइफ के अलावा उनकी पर्सनल लाइफ भी खूब चर्चा में चल रही है। कार्तिक आर्यन का नाम सैफ अली खान की बेटी सारा अली खान के साथ जोड़ा जाता था, लेकिन अब ऋतिक रोशन की कजिन पश्मीना रोशन के साथ उनकी नजदीकियों की खबरें हर तरफ छाई हुई हैं। जिस पर अब कार्तिक ने रिएक्ट किया है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो कार्तिक आर्यन पश्मीना रोशन को डेट कर रहे हैं। इन खबरों पर अब कार्तिक आर्यन ने अपनी चुप्पी तोड़ी है। हाल ही में दिए गए एक इंटरव्यू के दौरान कार्तिक आर्यन ने कहा, मैं ये बात अब समझ चुका हूं कि मैं सेलेब हूं और मेरी लाइफ की हर चीज चर्चा में आएगी। अगर किसी के साथ दोस्ती भी होगी, उसे भी रिलेशनशिप का ही नाम दिया जाएगा। इस तरह की चीजें कई बार दो लोगों को परेशान कर देती हैं और उन्हें दिक्कतों का सामना करना पड़ता है, लेकिन अब मुझे इन बातों से फर्क नहीं पड़ता। मैं अपने काम पर पूरी तरह फोकस कर रहा हूं। एक्टर ने आगे कहा कि सोशल मीडिया पर अपने बारे में की जा रही हैं बातों से उन्हें फर्क पड़ता है। अभिनेता ने कहा, जब मेरे बारे में खराब बातें बोली जाती हैं, तो मुझे फर्क पड़ता है, खासकर तब जब वैसा है ही नहीं होता है। मैंने अब इन चीजों के साथ डील करना सीख लिया है, क्योंकि मैं जानता हूं कि फिल्म स्टार की लाइफ में कुछ भी पर्सनल नहीं होता है, अब मैं यह सब जान गया हूं। भूल भुलैया 2 की सफलता के बाद कार्तिक के पास बड़े प्रोजेक्ट्स की लाइन लगी है। इनमें शहजादा, फ्रेडी, कैप्टन इंडिया, और कियारा आडवाणी के साथ सत्य प्रेम की कथा जैसी फिल्मों के नाम शामिल हैं।

250 लोगों को बनाया अपना शिकार ऐसे बंदर को मिली उम्रकैद की सज़ा

जानवर हमेशा से ही खूंखार और खतरनाक होते हैं। लिहाजा उनसे हमेशा दूरी बनाकर रखना ही बेहतर होता है। बहुत से जानवर ऐसे भी होते हैं जो प्यार के बदले प्यार देना जानते हैं। अच्छे लोगों की अच्छी नीयत को कुछ जानवर बखूबी भांप लेते हैं। जो जानवर समझदार और प्यारे होते हैं लोग उन्हें पालते भी हैं लेकिन कुछ ऐसे होते हैं जो लाख समझाने और सिखाने पर भी नहीं सुधरते। एक ऐसा ही बंदर उम्रकैद की सजा काटने को मजबूर हो गया। जिसकी हिंसक हरकतों से वन विभाग के साथ साथ पर्यटक भी दहशत में थे। कानपुर में कालिया नाम का शैतान बंदर उम्रकैद की सजा काट रहा है। वो 250 लोगों को हिंसा का शिकार बना चुका है। उस शैतान बंदर के टारगेट पर हमेशा महिलाएं और बच्चे हुआ करते थे। जिन पर झपट्टा मारकर उनके मांस का टुकड़ा ही काट निकालता था। उसकी हरकतों से परेशान वन्य विभाग ने उसे उम्रकैद की सजा दी। लेकिन 5 साल कैद रहने के बाद भी वह नहीं सुधरा। कानपुर के प्राणी उद्यान के पिंजरे में बंद कालिया की दहशत मिर्जापुर में इतनी थी कि महिलाएं और बच्चे उसके नाम से भी खौफ खाने लगे थे। महिला और बच्चों को देखते ही कालिया नाम का बंदर हमलावर हो उठता था और उन पर हमला कर जिस जगह को निशाना बनाता था वहां का मांस ही नोच निकालता था। वो खूंखार हो चुका था जिसकी वजह से उसे मिर्जापुर से पकड़कर कानपुर के प्राणी उद्यान में बंद करना पड़ा। लेकिन उसकी फितरत अब भी नहीं बदली है। खूंखार बंदर कालिया पिछले 5 साल से कानपुर के प्राणी उद्यान में उम्रकैद की सजा काट रहा है लेकिन उसके व्यवहार में एक अब तक कोई परिवर्तन नहीं हुआ। जबकि उसके साथ बंद कई और जानवरों में सुधार देखकर उन्हें मुक्त कर दिया गया। लेकिन वो अब भी कैद है। पशु चिकित्सक डॉक्टर मोहम्मद नासिर के मुताबिक ये बंदर खुले में छोड़ने लायक बिलकुल नहीं है। इसके आगे के दांत इतने पैने हैं, जिससे वह लोगों का मांस उखाड़ लेता है। दरअसल इस बंदर के खूंखार होने के पीछे एक वजह है। वो ये है कि पहले बंदर को एक तांत्रिक ने पाल रखा था। जो इसे खाने पीने के लिए खूब मांस और शराब देता था। जिसकी वजह से इसका व्यवहार उग्र होता चला गया और जब तांत्रिक की मौत हो गई तो ये और ज्यादा खूंखार और हमलावर हो गया।

अजब-गजब | इस सभ्यता के बारे में जानकर रह जाएंगे हैरान

सदियों पहले चट्टानों के नीचे घर बनाकर रहते थे लोग

मानव सभ्यता का विकास लाखों, करोड़ों साल पुरा है। जिस सभ्यता को आज हम और आप देख रहे हैं वो बहुत ही प्रगतिशील और उन्नत है लेकिन लाखों-करोड़ों साल पहले इंसान आज के जमाने की तरह बड़ी बड़ी इमारतों में नहीं रहता था। बल्कि वह गुफाओं और जमीन के अंदर बने घरों में ही निवास करता था। आज हम आपको ग्रीस के एक ऐसे आइलैंड के बारे में बताने जा रहे हैं जहां लोग चट्टानों के नीचे घर बनाकर रहते थे। इसकी वजह ये थी ये लोग खुद को यहां सुरक्षित महसूस करते थे। जिससे उन्हें कोई ढूंढ न पाए। सदियों तक ये लोग चट्टानों के नीचे बने इन्हीं घरों में रहते रहे। दरअसल, हम बात कर रहे हैं ग्रीस के इकारिया आइलैंड की। जो एजियन सागर में स्थित है। ऑडिटी सेंट्रल वेबसाइट की एक रिपोर्ट के मुताबिक, एजियन सागर के इकारिया और अन्य आइलैंड में समुद्री लुटेरों की परेशानी काफी पुरानी है। जहां पहली सदी में ही लुटेरे आने लगे थे। जो स्थानीय लोगों को मारकर या परेशान कर के उनका सामान चुरा लेते थे। रोमन और बायजंटाइन साम्राज्य में भी रेड होती रही। जब ये आइलैंड ओटोमन साम्राज्य के अंतर्गत आया, तब यहां के मूल निवासियों ने तय किया कि वो समुद्री लुटेरों की समस्या से निजात पाने की कोशिश करेंगे।

ऐसा माना जाता है कि यहां रहने वाले लोग लड़ाके नहीं थे, इसलिए उन्होंने लुटेरों से बचने के लिए एक नया विकल्प खोज निकाला। दरअसल, यहां के स्थानीय लोग आइलैंड के तटीय इलाकों को खाली कर के पहाड़ी इलाकों पर, यानी जंगल की ओर चले गये। जहां विशाल चट्टानों के नीचे उन्होंने अपने घर बना लिए। ऐसा करने से समुद्री लुटेरों को छलावा जैसी स्थिति का सामना करना पड़ता और समुद्र में तैरती लुटेरों की नौकाएं या शिप इन लोगों को देख नहीं पाते। इस तरह से वो सदियों तक लुटेरों से ऐसे ही अपनी रक्षा करते रहे।

इकारिया आइलैंड पर बने घरों को एंटी-पाइरेट घरों के नाम से जाना जाता है। जो बड़ी-बड़ी चट्टानों की ओट में, या ठीक उनकी नीचे बनाए गए हैं। इन घरों को तभी देखा जा सकता था जब उनके सामने से निकला जाए। दूर से या पहाड़ की ऊपरी चोटी से देखने पर ये घर नजर नहीं आते थे।

ये घर आरामदायक तो नहीं थे लेकिन इन घरों से वजह से वहां के स्थानीय लोगों की जान बच गई। यहां रहने वाले लोग एक दूसरे से रात के वक्त ही मिला करते थे और रात के समय आग नहीं जलाते थे, जिससे उन्हें दूर से कोई देख ना ले। इसके अलावा वो कुत्ते भी नहीं पालते थे ताकि उनके भौंकने से उनके यहां होने के बारे मे किसी को पता न चल जाए।

संसद के शीत सत्र में बदला दिखेगा नजारा खरगे और अधीर रंजन पर होगा दारोमदार

» सोनिया-राहुल नहीं देंगे कांग्रेस के कामकाज में दखल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। शीतकालीन सत्र में इस बार कांग्रेस की नई रणनीति व व्यूह रचना नजर आएगी। विपक्षी दलों से सदन की कार्रवाई को लेकर रणनीतिक मेलजोल का जिम्मा नए कांग्रेस अध्यक्ष व विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी पर रहेगा।

सात दिसंबर से शुरू होने वाले संसद के शीतकालीन सत्र में पहली बार सोनिया और राहुल गांधी की कांग्रेस के सदन के दैनिक कामकाज व विपक्ष से समन्वय में सक्रिय भूमिका नहीं होगी। राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा में व्यस्त रहने के कारण पार्टी के फ्लोर मैनेजमेंट में शामिल नहीं होंगे। कांग्रेस सूत्रों के अनुसार शीत सत्र में इस बार कांग्रेस की नई रणनीति व व्यूह रचना नजर आएगी। विपक्षी दलों से सदन की कार्रवाई को लेकर रणनीतिक मेलजोल का जिम्मा नए कांग्रेस अध्यक्ष व विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे तथा लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी पर रहेगा। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता के अनुसार सोनिया गांधी कांग्रेस संसदीय दल की नेता बनी रहेंगी, लेकिन वे सदन में पार्टी के दैनंदिन कामकाज में दखलंदाजी नहीं करेंगी। राहुल गांधी के साथ ही कांग्रेस के

29 दिसंबर तक चलेगा शीतकालीन सत्र

संसद का शीतकालीन सत्र सात दिसंबर से शुरू होगा। यह 29 दिसंबर को समाप्त होगा। इस सत्र में 17 बैठकें होंगी। लोकसभा और राज्य सभा ने अलग-अलग अधिसूचनाएं जारी कर दी हैं। इस दौरान अहम तारीखों का ब्योरा भी जारी कर दिया गया है।

पर्दे के पीछे से अहम भूमिका निभाएंगे राजीव

राज्यसभा में कांग्रेस के नए नेता चुने गए राजीव शुक्ला आगामी शीत सत्र में खरगे के साथ पर्दे के पीछे से अहम भूमिका निभाएंगे। चूंकि, शुक्ला के सभी दलों से अच्छे रिश्ते हैं, इसलिए खरगे के लिए वे बड़े मददगार बनेंगे। लोकसभा में कांग्रेस का जिम्मा अधीर रंजन चौधरी, गौरव गोगोई, मनीष तिवारी और कोडिकुनिल सुरेश पर रह सकता है।

राज्यसभा में मुख्य सचेतक जयराम रमेश व वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह भी शीतकालीन सत्र में अधिकांश समय सदन में मौजूद नहीं रहेंगे। दोनों नेता यात्रा के महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। इसलिए कांग्रेस को अगले माह शुरू हो रहे सत्र में फ्लोर मैनेजमेंट व अन्य विपक्षी दलों से समन्वय के लिए अन्य नेताओं की जरूरत पड़ेगी।

रैगिंग से तंग छात्र हॉस्टल से कूदा, केस दर्ज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

असम। असम की डिब्रूगढ़ यूनिवर्सिटी में सीनियर छात्रों की रैगिंग के चलते एक जूनियर छात्र हास्टल की दूसरी मंजिल से कूद गया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया है। रैगिंग की यह घटना रविवार को हुई। घायल छात्र की पहचान आनंद शर्मा के रूप में की गई है।

इस घटना को लेकर असम के सीएम ने कड़ी नाराजगी प्रकट की है। उन्होंने जिला प्रशासन को पीड़ित छात्र के इलाज और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई का आदेश दिया है। रैगिंग के शिकार छात्र आनंद शर्मा का एक निजी अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। पीड़ित छात्र के परिजनों ने इस मामले में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। अधिकारियों ने कहा कि इस घटना की जांच शुरू कर दी गई है। दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने रैगिंग में शामिल तीन आरोपियों को हिरासत में लिया है। इनके नाम हैं प्रांजित बरुआ, निरंजन ठाकुर और सिमंत हजारिका। अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

धूमधाम से मनाया गया श्री गुरु तेग बहादुर का शहीदी दिवस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। गुरु श्री तेग बहादुर साहब जी के शहीदी दिवस की पूर्व संध्या पर राजेन्द्र नगर स्थित संघ कार्यालय भारती भवन के प्रांगण में प्रथम बार शहीदी दिवस का आयोजन बड़े ही श्रद्धा पूर्वक मनाया गया। इस मौके पर दशमेश पब्लिक स्कूल व प्रभु का सिमरन सब ते फता ग्रुप बच्चों के द्वारा रहिरास साहिब जी के पाठ से कर सभी का मन को मोहा। भाई दिलबाग सिंह ने शबद कीर्तन द्वारा श्रद्धालुओं को निहाल किया।

इस अवसर पर बोलते हुए लखनऊ की महापौर संयुक्ता भाटिया ने कहा कि साहिब श्री गुरु तेग बहादर जी ने अपना शीश देकर देश का शीश बचा लिया। कश्मीर में हिंदुओं पर चल रहा दमन का चक्र थम गया। भारती भवन के प्रशांत भाटिया ने कहा गुरु तेग बहादर की शहादत भारत की सभ्यता व संस्कृति का पुनर्जीवन था, देश भर में मुगलों के अत्याचार व निर्ममता के विरुद्ध खड़े होने की चेतना जागृत हुई। बाद मे खालसा का सृजन व औरंगजेब का पतन व मुगल राज्य का सूर्यास्त इस महान शहादत का ही फल था।

इस अवसर पर बच्चों के अंदर देशभक्ति, राष्ट्र और धर्म के प्रति समर्पण भाव निर्माण करने के लिए गुरु तेग बहादर साहब जी की जीवनी पर आधारित अमर चित्र कथा पुस्तिका का विमोचन महापौर संयुक्ता भाटिया जी के साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय सह व्यवस्था प्रमुख अनिल ओक, आरएसएस के क्षेत्र प्रचारक अनिल और प्रांत प्रचारक कौशल द्वारा किया गया। हिंदू धर्म की रक्षा करने के लिए अपना शीश नवाने वाले गुरु तेग बहादर साहब की जीवनी को कॉमिक्स के रूप में हमारी नई पीढ़ी तक पहुंचाने के संकल्प के साथ ही सभी उपस्थित श्रद्धालुओं को वितरित किया गया और लखनऊ के प्रत्येक घर मे पहुचाने के लिए योजना बनवाई गई जिससे हमारे आने वाली पीढ़ी को धर्मरक्षा और राष्ट्ररक्षा का भाव उत्पन्न हो सकेगा। शहीदी दिवस पर आरएसएस के अखिल भारतीय अधिकारी अनिल ओक ने भारत के समस्त शहीदों पर रचित वीर मंदिर कविता का पाठ कर समस्त संगत को भाव विभोर कर दिया।

कार्यक्रम में विशेष रूप से विनोद रात्रा, सर्वजीत सिंह वालिया, मनमोहन सिंह सेठी, हरीश कोहली, सम्पूर्ण सिंह बग्गा, सतपाल सिंह मीत, भूपिन्दर सिंह पिन्दा व अन्य प्रतिनिधि उपस्थित थे।

सेंट पॉल्स कॉलेज के वार्षिकोत्सव में बच्चों ने रंगारंग कार्यक्रम में मन मोहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सेंट पॉल्स कॉलेज में वार्षिकोत्सव मिलांश 2022 का कॉलेज के प्रांगण में भव्य आयोजन किया गया। प्रधानाचार्य फादर क्लिफोर्ड लोबो, सिस्टर लिसी, अनेक गणमान्य अतिथियों, शिक्षक-शिक्षिकाओं, कर्मचारियों, छात्रों एवं अनेक अभिभावकों की उपस्थिति ने इस कार्यक्रम को भरपूर रौनक, आभा व भव्यता प्रदान की।

कार्यक्रम का आरम्भ कक्षा 7 व 8 के छात्रों द्वारा प्रस्तुत मनोहारी 'प्रार्थना नृत्य' से हुआ। नन्हे कलाकारों नर्सरी, केजी के छात्रों द्वारा प्रस्तुत नृत्य 'टैंगो ट्रीट', कक्षा 1 व 2 के बच्चों का नृत्य 'काहिको' एवं डिज्नी वर्ल्ड को प्रत्यक्ष करती कक्षा 3 के बच्चों की प्रस्तुति टून टाउन ने दर्शकों की भरपूर प्रशंसा प्राप्त की। जहाँ वैश्विक महामारी से स्वस्थ्य की ओर गति को दर्शाती प्रस्तुति, कक्षा 6 के छात्रों ने मानव की जिजीविषा को बखूबी दर्शाया तो वहीं कक्षा 8 से 12 तक के छात्रों ने स्वस्थ्य के महत्व को वैलनेस मंत्रा में सामने रखा। हिंदी के प्रसिद्ध साहित्यकार भारतेन्दु हरिश्चंद्र द्वारा लिखित व्यंगात्मक प्रहसन अंधेर नगरी का मंचन वार्षिकोत्सव का विशेष आकर्षण रहा। जिसमें कक्षा 9 व10 के छात्रों के कुशल अभिनय ने दर्शकों को पूरे नाटक के दौरान हँसने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम की अंतिम कड़ी के रूप में कक्षा 4 से 12 तक के छात्रों द्वारा वाद्य यंत्रों -ड्रम, की-बोर्ड, गिटार, कांगो, तबला, बीट बॉक्स, ढोलक, यूकेलेले आदि के स्वर में सजी ऑर्केस्ट्रा प्रस्तुति म्यूजिकल ग्लिट् ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कॉलेज के क्वायर द्वारा प्रस्तुत गीतों ने इस पूरे आयोजन के दौरान अपनी मधुरता और अनुशासन को कायम रखते हुए आयोजन को गरिमा प्रदान की। अंत में राष्ट्रगान के साथ रंगारंग वार्षिकोत्सव अपनी पूरी भव्यता के साथ समाप्त हुआ।

यूपी निकाय चुनाव के लिए बीजेपी ने कसी कमर

» हर पैनल से तैयार हो रहे तीन-तीन नाम, तलाशे जा रहे हैं जिताऊ प्रत्याशी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में उपचुनाव के बीच में निकाय चुनाव के लिए बीजेपी ने खास तौर पर प्लान के तहत तैयारी शुरू कर दी है। पार्टी ने हर पैनल से तीन-तीन नाम तैयार करने को कहा है। उत्तर प्रदेश में उपचुनाव के बीच बीजेपी ने राज्य में नगर निकाय चुनाव को लेकर तैयारियां तेज कर दी है। इसके लिए बीजेपी विशेष प्लानिंग कर रही है। इसके लिए बीजेपी में हर वर्ग में तीन-तीन नाम का पैनल तैयार किया जा रहा है। ये पैनल नगर निगम, नगर पालिका परिषद और नगर पंचायतों के साथ ही वार्ड से प्रत्याशियों के नाम का पैनल तैयार हो रहा है।

नगर निकाय चुनाव के लिए अनुसूचित जाति से तीन-तीन नाम का पैनल हर निकाय से बीजेपी में तैयार हो रहा है। इस तैयारी से आरक्षण जारी होने के साथ ही बीजेपी प्रत्याशी घोषित कर पाएगी। जब तक अन्य दल प्रत्याशी तय करेंगे, तब तक बीजेपी अपने प्रचार और जनसंपर्क अभियान को तेज कर चुकी होगी। बीजेपी पिछले कई महीनों से निकाय चुनाव की तैयारी में जुटी है।

वहीं, दूसरी ओर जल्द ही निकाय चुनाव का एलान भी हो सकता है। यूपी निकाय चुनाव को लेकर आयोग ने तैयारियां भी तेज कर दी है। इसके लिए मतदाता सूची को अंतिम रूप देने का भी काम किया जा रहा है। मतदाता सूची के जारी आंकड़ों के अनुसार यूपी निकाय चुनाव में इस बार कुल चार करोड़ 27 लाख 40 हजार 320 वोटर्स वोट डालेंगे। मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन होने के बाद वोटरों की कुल संख्या बढ़कर चार करोड़ 27 लाख से ज्यादा हो गई है।

जबकि 2017 में हुए निकाय चुनाव पर गौर करें तो उसकी तुलना में इस बार पूरे प्रदेश में 91.44 लाख मतदाता बढ़े हैं। 2017 में 652 निकायों के चुनाव में तीन करोड़ 33 लाख से ज्यादा मतदाता थे। बता दें कि राज्य में बीते पांच साल में 111 नई नगर पंचायतों का गठन हुआ है। इसके अलावा पांच सालों के दौरान 130 नगर पंचायतें नगर पालिका परिषदों और नगर निगम में सीमा विस्तार हुआ है।

आफताब की तरह पूनम ने बेटे दीपक के साथ मिलकर पति के किये 10 टुकड़े और रख दिया फ्रिज में

» छह महीने पहले की गई थी युवक की हत्या

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के पांडव नगर में सोमवार को श्रद्धा मर्डर जैसा एक और केस सामने आया। आफताब की तरह एक महिला ने बेटे के साथ मिलकर पति की हत्या कर दी। उसके 10 टुकड़े कर फ्रिज में रखे। रात के वक्त मां और बेटा टुकड़े फेंकने जाते थे। यह घटना सीसीटीवी में कैद हो गई। हत्या करीब 6 महीने पहले जून में की गई थी। मृतक का नाम अंजन दास बताया जा रहा है। दिल्ली क्राइम ब्रांच ने पत्नी पूनम व बेटे दीपक को गिरफ्तार कर लिया है।

न्यूज एजेंसी एएनआई ने अंजन दास के घर का फोटो जारी किया है। इसमें दिख रहे फ्रिज में लाश के टुकड़े रखे गए थे। मां-बेटे फ्रिज में रखे शव के टुकड़े को रात में पास के ही रामलीला ग्राउंड में फेंक देते थे। लेकिन जब वहां बदबू फैलने लगी तो आसपास के लोगों ने इसकी शिकायत पुलिस से की। बाद में वहां शव के टुकड़े बरामद हुए। पुलिस ने इसके बाद आसपास के थाने में मिसिंग लोगों की शिकायतों की जांच-पड़ताल करने लगी और तहकीकात आगे बढ़ने पर ये खुलासा हुआ।

अवैध संबंधों के शक में हत्या, पहले नींद की गोली खिलाई

पुलिस ने बताया कि पूनम ने अपने बेटे दीपक के साथ मिलकर अंजन की हत्या कर दी। पूनम को शक था कि अंजन के कई महिलाओं से अवैध संबंध हैं। सबसे पहले महिला ने अपने पति को नींद की गोलियां दीं और उसके बाद हत्या कर दी। इसके बाद बेटे के साथ मिलकर बॉडी के कई टुकड़े किए और उन्हें फ्रिज में रख दिया। इसके बाद पांडव नगर और आसपास के इलाकों में टुकड़े फेंक दिए।

सीसीटीवी में बेटा बैग ले जाता दिखाई दिया

एएनआई न्यूज एजेंसी ने जो सीसीटीवी फुटेज जारी किया, वो 1 जून 2022 का है। फुटेज में रात करीब 12.44 पर दीपक हाथ में एक बैग लेकर जाता दिखाई दे रहा है। उसके पीछे मां पूनम भी दिखाई दे रही है। पुलिस ने कहा कि ये उन क्लिप्स में से एक की फुटेज है, जिनमें वो टुकड़े फेंकने के लिए रात में जाते थे। दिन की भी एक फुटेज सामने आई है। पुलिस का कहना है कि इसमें मां-बेटे टुकड़े फेंकने के लिए जगह की तलाश करने निकले थे।

टुकड़े मिले तो पुलिस ने श्रद्धा मर्डर से लिंक किया

पुलिस को पहली बार शरीर के टुकड़े पांडव नगर में मिले थे। ये बुरी तरह सड़ चुके थे और इस वजह से इनकी पहचान मुश्किल हो गई थी। इसी बीच श्रद्धा मर्डर केस से जुड़ी जानकारियां सामने आने लगीं और पुलिस ने इस मामले को उससे जोड़कर जांच शुरू कर दी। अब पुलिस को जांच के दौरान पता चला है कि बॉडी अंजन दास की है, जो त्रिलोकपुरी में रहते थे, हत्या भी वहीं की गई।

जर्सी विवाद के बीच रिवाबा का नामांकन

» बोले क्रिकेटर रवींद्र जडेजा, चुनाव में मैं डिफेंसिव और मेरी वाइफ अटैकिंग रहेगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सूरत। गुजरात के जाम नगर विधानसभा सीट से अपनी पत्नी और बीजेपी उम्मीदवार रिवाबा जडेजा के समर्थन में क्रिकेटर रविन्द्र जडेजा जमकर चुनाव प्रचार कर रहे हैं। इसी प्रचार के चक्कर में एक पोस्टर कांड हो गया। चुटहिल होने की वजह से जडेजा भले ही खेल के मैदान से दूर हों लेकिन राजनीति के मैदान में पत्नी का दमभर कर साथ दे रहे हैं। इसी कड़ी में उनके विवादित पोस्टर से सूबे समेत पूरे देश में जमकर बवाल मचा हुआ है। चुनाव प्रचार के दौरान इंडियन क्रिकेट टीम की जर्सी पहने जडेजा के पोस्टर को लेकर खासा विवाद खड़ा हो चुका है।

इसी बीच गुजरात विधानसभा चुनाव में पहले चरण के लिए आज नामांकन का आखिरी दिन था। इस दौरान जामनगर (उत्तर) से पत्नी और बीजेपी उम्मीदवार रिवाबा जडेजा के नामांकन के लिए भारतीय क्रिकेटर रवींद्र जडेजा भी पहुंचे। इस दौरान रिवाबा पीले रंग की साड़ी पहने दिखीं तो रवींद्र जडेजा भगवा रंग के कुर्ते में नजर आए। उन्होंने कहा कि वह चुनाव को लेकर बहुत एक्साइटेड हैं और बीजेपी के लिए जमकर प्रचार करेंगे। रवींद्र जडेजा ने पत्नी के लिए वोट अपील करते हुए कहा कि वह इस बार डिफेंसिव रहेंगे जबकि उनकी पत्नी अटैकिंग रहेंगी क्योंकि राजनीति के मैदान पर उन्हें ही खेलना है। रवींद्र जडेजा ने कहा, मैं बहुत ही एक्साइटेड हूं इलेक्शन को लेकर। बीजेपी के लिए जितना हो सके उतना प्रचार करेंगे। हालांकि जर्सी विवाद में जडेजा फैंस द्वारा जमकर ट्रोल हुए थे।

शिवपाल यादव की सुरक्षा घटी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मैनपुरी उपचुनाव में सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव के साथ आये प्रसपा अध्यक्ष और पूर्व मंत्री शिवपाल यादव की सुरक्षा को राज्य सरकार ने कम कर दिया है।

सुरक्षा मुख्यालय ने निर्देश जारी किया है। जिसमें शिवपाल यादव की जेड के स्थान पर वाई श्रेणी सुरक्षा किए जाने का निर्देश दिया गया है। इससे पहले सरकार ने अखिलेश से जुड़े कई नेताओं की सुरक्षा घटा दी थी।

भारत जोड़ो यात्रा का आज 82वां दिन

उज्जैन की ओर बढ़ा राहुल गांधी का कारवां

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और सांसद राहुल गांधी की अगुवाई में कांग्रेस की 'भारत जोड़ो यात्रा' का आज 82वां दिन है। वहीं मध्यप्रदेश में राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा का आज छठा दिन है। आज सुबह इंदौर के बड़ा गणपति चौराहा से यात्रा की शुरुआत की। राहुल के साथ 137 यात्री पैदल चल रहे है। अभी यात्रा मध्यप्रदेश के इंदौर में है जहां से श्रीनगर तक की दूरी करीब 1400 किमी है।

राहुल गांधी का कारवां आज इंदौर से

उज्जैन की ओर बढ़ा। रास्ते में एक साइकिल सवार भी यात्रा में शामिल हुआ और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष कुछ पलों के लिए पैदल यात्रा को विराम देते हुए उसकी साइकिल के पैडल मारते नजर आए। साइकिल से पहले राहुल यात्रा के दौरान बुलेट चलाते हुए भी नजर आए थे। इंदौर के मशहूर शायर राहत इंदौरी के बेटे सतलज राहत भी यात्रा में शामिल हुए। सतलज ने बताया कि उन्होंने अपने दिवंगत पिता पर केंद्रित दो किताबें गांधी को पदयात्रा के दौरान भेंट कीं। जिनमें राहत इंदौरी की आत्मकथा शामिल है। राहुल गांधी की अगुवाई वाली यात्रा महाराष्ट्र से गुजरने के बाद 'दक्षिण का द्वार' कहे जाने वाले बुरहानपुर जिले के बोदरली गांव से मध्य प्रदेश में 23 नवंबर को दाखिल हुई थी। छह दिनों में यह यात्रा मध्य प्रदेश में अपना आधे से ज्यादा सफर पूरा कर चुकी है।

योगी जी! गड्ढे तो भरे नहीं, राजधानी में धंस गयी 20 फीट गहरी सड़क

फोटो: सुमित कुमार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पूरे प्रदेश की सड़कों को गड्ढामुक्त करने का अभियान चल रहा है, ऐसे में राजधानी का बुरा हाल देखने को मिला है। विकास नगर थाना क्षेत्र स्थित शंकर जी मूर्तिवाला रास्ता अचानक 20 फीट धंस गया। जिससे यातायात बुरी तरह से प्रभावित हो गया है। पुलिस और स्थानीय लोगों ने बैरिकेटिंग कर रास्ता बंद कर दिया है जिससे कि कोई हादसा न हो सके। ये रास्ता पावर हाउस की ओर जाता है।

प्रदेश में सड़कों की मरम्मत और गड्ढामुक्ति अभियान की मियाद 15 नवंबर तक थी लेकिन समय बीतने के बावजूद भी गड्ढे भर नहीं पाये। जिसको लेकर सीएम योगी आदित्यनाथ की खासी नाराजगी पिछली समीक्षा बैठकों में देखने को मिली भी। पीडब्ल्यूडी मंत्री जितिन प्रसाद जब खुद सड़कों पर उतरे तो हकीकत सामने आयी। अपने विभाग के अफसरों को आड़े हाथों लेते हुए तय समय में सूबे की सड़कों को गड्ढामुक्त करने के उन्होंने निर्देश दिये। विपक्ष भी खस्ताहाल सड़कों को लेकर खासा हमलावर है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक बबिता चतुर्वेदी के लिए 4पीएम आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। प्रधान संपादक- अर्चना दयाल, संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 । Email: daily4pm@gmail.com । website: www.4pm.co.in । RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।